सुरक्षा के क्षेत्र में बढ़ रहा एआइ का प्रभाव

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

जयपुर. सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एआइ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का उपयोग पिछले कुछ वर्षों से बढ़ता जा रहा है। शहर में स्थित निजी ऑफिसों में बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली का, तो सार्वजनिक स्थानों पर स्मार्ट सीसीटीवी कैमरों और एआइ आधारित वीडियो एनालिटिक्स का उपयोग किया जा रहा है। ये कैमरे विभिन्न गतिविधियों और भीड़ पर नजर रख रहे हैं। साथ ही संदिग्ध गतिविधि महसूस होते ही सुरक्षाकर्मियों को तत्काल अलर्ट भेज देते हैं।

इन-दिनों शहर में एमएनसी और लोकल कंपनियों के ऑफिसों में बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली का उपयोग बढ़ रहा है। इसमें उंगलियों के निशान, आंखों की पुतली और चेहरे की पहचान के जरिये ऑफिस परिसर में एंट्री दी जाती है, जिससे केवल अधिकृत व्यक्ति ही उन स्थानों पर प्रवेश कर सकता है। वहीं, जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एआइ आधारित सैकड़ों कैमरे और सेंसर लगाए गए हैं, जो एयरपोर्ट परिसर समेत एयरपोर्ट की बाउंड्री पर होने वाली प्रत्येक हलचल और संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कमांड कंट्रोल रूम तक सूचना पहुंचा देते हैं। इसके अलावा भविष्य में होने वाले खतरों को लेकर भी एआइ हमें सचेत करने का काम कर रहा है।

तुरंत हो जाती व्यक्ति की पहचान

कई क्षेत्रों में चेहरे की पहचान तकनीक (फेस रिकॉग्निशन) का इस्तेमाल हो रहा है। यदि किसी व्यक्ति की पहचान सुरक्षा खतरों से जुड़ी होती है, तो एआइ उस व्यक्ति की तुरंत पहचान कर सुरक्षा अधिकारियों को सूचित कर देता है। एआइ का उपयोग सुरक्षा के स्तर को बढ़ाने, शहर को स्मार्ट और सुरक्षित बनाने के लिए भी किया जा रहा है।

जोखिम को कम करने में भी सहायक

वर्तमान दौर में हर क्षेत्र में सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। एआइ का उपयोग संभावित

सुरक्षा खतरों की पहचान और उनका पूर्वानुमान लगाने के लिए भी किया जा रहा है। यह प्रणाली डेटा का विश्लेषण करती है और संभावित अपराधों या घटनाओं को समय से पहले ही पहचानने में मदद करती है। इससे पुलिस या सुरक्षा अधिकारी समय से पहले तैयारी कर सकते हैं और जोखिम को कम कर सकते हैं।
-कपिल नाग, एआइ एक्सपर्ट